

हरिभूमि

सुनहरा मौका

सुनिश्चित उपहार 2026

सामान्य कूपन

06 सितम्बर 2026

कूपन नं.

15

खबर संक्षेप

दो बाइक आपस में टकराई, दुर्घटना में एक व्यक्ति की हालत गंभीर

अम्बिकापुर। सेमिली मोड़ के समीप बिना इंडिकेटर दिए बाइक को मोड़ देने से पीछे से आ रहे बाइक सवार सीधे बाइक से टकरा गया। दुर्घटना में सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।चंदनपुर निवासी अशोक राम आ. शिवनाथ राम (18 वर्ष) बाइक क्रमांक सीजी 30 जे 2016 से किसी काम के सिलसिले से बलरामपुर की ओर से रामानुजगंज की ओर जा रहा था। जैसे ही बाइक सवार सेमिली मोड़ के समीप पहुंचा तो बिना इंडिकेटर दिए ही बाइक को मोड़ दिया। इधर पीछे से आ रहे बाइक क्रमांक सीजी 30 एच 9493 सवार व्यक्ति अचानक बाइक को मोड़ देने से सीधे बाइक से टकरा गया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद अग्नेय व्यक्ति सड़क पर अचेत हो गया। घटना को देख आसपास मौजूद लोगों ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां घायल का उपचार चल रहा है। घायल व्यक्ति हेलमेट पहने हुआ था इसलिए उसकी जान बच गई अन्यथा दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि जान जा सकती थी। बताया जा रहा है दुर्घटना के बाद 10 मिनट तक जाम की स्थिति निर्मित हो गई थी।

रैगिंग का लगा आरोप, प्रबंधन ने कहा शिक्षक दिवस कार्यक्रम को लेकर हुआ विवाद

प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 12 के बच्चों ने 11वीं के दो बच्चों का फोड़ा सिर

हरिभूमि न्यूज | अम्बिकापुर

शहर के प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बच्चों के बीच मारपीट का सामने आया है।

खास बात

पुलिस ने दर्ज किया अपराध, प्रबंधन ने काट दी पांच की टीसी

प्रयास के छात्रावास में 12 के पांच छात्रों ने मिलकर 11 के दो छात्रों की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट में दोनों छात्रों को गंभीर चोटें आई हैं और उनके सिर पर टांके लगे हैं। मारपीट को लेकर छात्रों की ओर से रैगिंग की बात कही गई है जबकि प्रबंधन का कहना है कि शिक्षक दिवस कार्यक्रम के आयोजन को लेकर दोनों कक्षाओं के बच्चों के बीच विवाद हुआ था। मारपीट का मामला थाना पहुंचने के बाद पुलिस ने छात्रों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है जबकि प्राचार्य ने पांचों बच्चों को बर्खास्त कर दिया है।

बताया जा रहा है कि शहर के प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 11 वीं और 12 वीं के बच्चों के बीच मारपीट की घटना हुई है। घटना 3 सितम्बर के रात की बताई जा रही है। आरोप है की कक्षा 12वीं के पांच छात्रों ने कक्षा 11 के बच्चों के कमरे में घुसकर उनके साथ मारपीट की। इस घटना में दो बच्चों को गंभीर चोट आई है। मारपीट में बच्चे बेहोश हो गए थे। घटना के बाद आनन फानन में बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां



शाने बाहर छात्रों के परिजन।

प्रबंधन ने पांच को किया बर्खास्त

इधर इस मामले में प्रयास आवासीय विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि बच्चों के बीच शिक्षक दिवस के कार्यक्रम को लेकर विवाद हुआ था। आयोजन में मुख्य भूमिका 11वीं के बच्चों की होती है। आयोजन को लेकर ही हुए विवाद के बाद 12 के बच्चों ने कमरे में घुसकर बच्चों के साथ मारपीट की। छात्रावास के गार्ड ने घटना की सूचना वार्डन को दी। वार्डन द्वारा तत्काल बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां से उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। स्कूल में दोनों ही कक्षाओं के बच्चे सीनियर है ऐसे में रैगिंग का सवाल ही नहीं है। घटना को लेकर जांच टीम बनाई गई जिसमें मामले की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के आधार पर पांच छात्रों को टीसी काटने के साथ ही उन्हें बर्खास्त कर दिया गया है। इसके साथ ही दोनों घायल छात्र वार्डन के साथ उसकी निगरानी में हैं। प्रबंधन का कहना है कि परिजन को रात में इसलिए सूचना नहीं दी गई क्योंकि बच्चों के परिजन काफी दूर रहते हैं और सूचना मिलने पर वे डर जाते। उपचार और स्थिति सामान्य होने के बाद परिजन को जानकारी दे दी गई थी।

उनके सिर पर टांके लगे हैं। इस घटना की सूचना बच्चों ने परिजन को 4 सितम्बर को दी जिसके बाद बच्चों के परिजन सरगुजा पहुंचे थे और उन्होंने घटन की सूचना गांधीनगर पुलिस को दी। सूचना के

की गई है कार्रवाई

शिक्षक दिवस के आयोजन को लेकर दोनों कक्षाओं के बच्चों में विवाद हुआ था। इस घटना के लिए जांच समिति बनाई गई और रिपोर्ट के बाद पांच छात्रों को बर्खास्त कर टीसी काट दी गई है। परिजन ने घटना की शिकायत पुलिस से की जिसके बाद पुलिस अपनी जांच और कार्रवाई कर रही है।

-ओपी साहू
प्राचार्य, प्रयास आवासीय विद्यालय

बड़ी लापरवाही बताया है और मामले में जांच कर कार्रवाई की मांग की है। इधर इस मामले में परिजन की शिकायत पर गांधीनगर पुलिस द्वारा छात्रों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है और घटना की जांच चल रही है।

1986 में लिया गया था नेत्रदान का संकल्प

मृत्यु के बाद भी जीवित रहेंगी आंखें, किया गया नेत्रदान

हरिभूमि न्यूज | अम्बिकापुर

नेत्रदान महा दान अभियान के तहत चल रहे नेत्रदान पखवाड़ा के बीच एक परिवार के अपने पिता की अंतिम इच्छा पूरी की। पिता ने मृत्यु के पहले अपने नेत्रदान का संकल्प लिया था और शुक्रवार को उनके निधन के तत्काल बाद परिजन ने स्वास्थ्य विभाग से संपर्क कर नेत्रदान किया। अब उनके इस पहल की जमकर सराहना हो रही है।

बताया जा रहा है कि शहर के अजिरमा कौन्तेय जायसवाल द्वारा वर्ष 1986 में नेत्रदान अक संकल्प लिया गया था। इस बीच 4 सितम्बर को उनका निधन हो गया। निधन उपरान्त कौन्तेय जायसवाल के पुत्र अजय जायसवाल ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल में नेत्र विभाग से सम्पर्क किया। सूचना के बाद नोडल अधिकारी अंधत्व एवं अल्पदृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम डॉ. रजत टोणो के नेतृत्व में टीम से डॉ



अभिजीत जैन, डॉ अभिषेक, रमेश घृतकर श्रीमती आरती सारथी व श्री जयप्रकाश विश्वकर्मा नेत्र सहायक अधिकारी द्वारा नेत्रदान की प्रक्रिया को पूर्ण किया गया और। इस दौरान रेड क्रोस सोसायटी के सदस्य आर्यन सिन्हा का भी सहयोग नेत्रदान में रहा। बता दें कि वर्तमान में 9 सितम्बर तक नेत्रदान पखवाड़ा चल रहा है। इस बीच परिवार के इस पहल से किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन में रौशनी आ सकेगा। नोडल अधिकारी डॉ. टोणो ने बताया कि नेत्रदान से प्राप्त आई बाल को तत्काल सीएमएचओ डॉ. पीएस मार्को के निर्देश पर नेत्र सहायक अधिकारी मो. शाहिद हुसैन के साथ रात को 11 बजे ही सिम्स आई बैंक बिलासपुर के लिए रवाना किया गया। आगामी एक दो दिन में दो अंधत्व से पिड़ित जरूरत मंद मरीजों को कॉर्नियल ट्रांसप्लांट किया जायेगा। जिससे कॉर्नियल जनित अंधत्व से उन्हे रोशनी दुबारा मिलेगी। एक नेत्रदान से दो नेत्रहीन को रोशनी मिलेगी ।

एस.एम.सी. सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल

हृदय-रोग सम्बंधित परामर्श लें

08 सितंबर 2026 (मंगलवार) को अंबिकापुर में

छ.ग. के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ

डॉ. एस.एस. मोहंती

MD, DM (Cardiology)

स्थान:- लाइफ लाइन हॉस्पिटल गवर्मेन्ट पोलिटैक्निक कॉलेज के पास, रिंग रोड, अंबिकापुर (छ.ग.)

दिनांक 08.09.2026 (मंगलवार), सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक

एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी की सुविधा

आयुष्मान भारत से मान्यता प्राप्त

समस्त हृदय रोगों के इलाज की सुविधा उपलब्ध

ESIC, CSEB, SECL से मान्यता प्राप्त

पूर्व रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें:-

7354882583/9755534404

Infront of BSNL office, Vidhan Sabha Road, Near Ashok Ratan, Shankar Nagar, Raipur (C.G.)

9039855001/9039855002

www.smchospital.in

TECNO

SPARK Go 3^{PRO}

DESH JAISA DUMDARR

Available at All Retail Stores Near You...

Assured Cashback*

Buy at ₹2499/Month with 12 Months No Cost EMI*

**T&C apply

LAXMI ELECTRONICS & SHOPPING MALL | Malviya Road, Raipur, Ph: 0771-2210000 Mo: 7000477757, Main Road, **Katora Talab**, Raipur, Mo: 9826139800

JAI BABA KISHARAM ENTERPRISES

AUTHORISED DISTRIBUTOR (C.G.) - Mr. Rajesh Vaswani 9893090009

7828002600, 9575832859, 9893314137

QR code

SCAN TO KNOW MORE

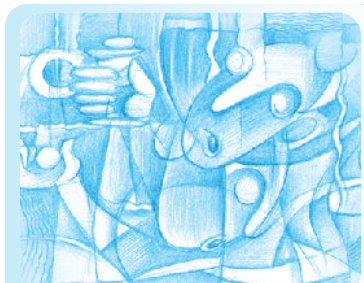
Khanna



कवर स्टोरी / थिस्वर चंद जैन

आजकल खाली समय बिताने के लिए लोग अपने स्मार्टफोन पर रील बहुत देखते हैं। इसका नतीजा होता है समय की बर्बादी, आंखों की रेशानी पर बुरा असर और स्ट्रेस। माना कि आज की भाग-दौड़ भरी इस जिंदगी में हम सब 'सुकून' की तलाश में हैं और थोड़ा हंसना-मुस्कुराना चाहते हैं। मगर इसके लिए सोशल मीडिया पर रील्स स्कॉल करने की बजाय रियल लाइफ की कुछ रियली मजेदार एक्टिविटीज को आजमाएं तो मानसिक शांति का एक बिल्कुल नया लेवल और ताजगी का अनुभव किया जा सकता है।

पेड़-पौधे से करें बातें: अपनी कॉलोनी या फिर नजदीकी पार्क में लगे या सड़क किनारे उगे किसी बड़े या पुराने पेड़ के पास बैठिए। अपनी उलझनें उसे धीरे से बोलकर बताइए, जैसे वह कोई मूक मार्गदर्शक हो। पेड़ पौधों से बातचीत करना वाकई सुकून देता है। जापान में 'शिनरिन-योकू' पर की गई रिसर्च के अनुसार, पेड़-पौधों के साथ समय बिताने और उनसे बात करने से हमारे ब्रेन की अल्फा वेव्स सक्रिय होती हैं, जो गहरी शांति का अहसास कराती हैं। ब्रिटेन की रॉयल हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी के एक सर्वे में पाया गया कि 70 प्रतिशत लोग, जो पौधों से नियमित बात करते हैं, वे दूसरों की तुलना में अधिक शांत और खुश रहते हैं। पौधे आपको बात बिना



कविता

पुरुषोत्तम व्यास

बहुत मुश्किल-सा लगने लगा

कितने शब्दों के बीच	कितने झपट के बीच
कितने दिवारों के बीच	जीना श्रम अथवा को बचाना
कितने थपड़ों के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितने जालों के बीच	कितनी प्रसन्नता के बीच
जीना श्रम अथवा को बचाना	कितने सम्झौतों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने अपमानों के बीच
कितनी घृणा के बीच	कितने सम्मानों के बीच
कितनी ईर्ष्या के बीच	जीना श्रम अथवा को बचाना
कितनी कुसंगत के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।
कितनी तलाश के बीच	कितने शत्रुओं के बीच
जीना श्रम अथवा को बचाना	कितने मित्रों के बीच
बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।	कितने भ्रमों के बीच
कितने बदबोलेपन के बीच	कितने सपनों के बीच
कितनी श्रालंघनश के बीच	जीना श्रम अथवा को बचाना
कितने कपट के बीच	बहुत मुश्किल-सा लगने लगा।

पुस्तक चर्चा / अनुराग गनीट

ओम निश्चल की गजलगोई

समकालीन हिंदी गजल के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर हैं ओम निश्चल। हाल में विज्ञान भूषण के संपादन में ओम निश्चल की गजलगोई पर केंद्रित पुस्तक 'गजलगोई : ओम निश्चल' प्रकाशित होकर आई है।

यह पुस्तक ओम निश्चल की रचनात्मक यात्रा, काव्य-दृष्टि और उनकी गजलगोई के विविध आयामों का समग्र मूल्यांकन तो प्रस्तुत करती ही है, उनके बहुआयामी व्यक्तित्व पर भी प्रकाश डालती है। पुस्तक में ज्ञान प्रकाश विवेक, डॉ. हरेराम पाठक, डॉ. वेदमित्र शुक्ल, डॉ. भावना शेखर, डॉ. आनंद वर्धन द्विवेदी, आयुष जयवर्धन, आरती आस्था, सरस्वती रमेश और संपादक समेत 16 रचनाकारों ने ओम निश्चल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलोचनात्मक दृष्टि से अपने विचार प्रस्तुत किए हैं। खास बात यह है कि इस आलोचनात्मक पुस्तक को पढ़ते हुए पाठक, ओम निश्चल की विभिन्न गजलों-गीतिकाओं से उद्भूत बेहतरीन शेरों से भी रू-ब-रू हो पाएंगे, जिसका प्रयोग विभिन्न लेखों में संदर्भ के तौर पर किया गया है। प्रसिद्ध साहित्यकार ज्ञान प्रकाश विवेक ओम निश्चल के बहुआयामी व्यक्तित्व के विविध पहलुओं पर प्रकाश डालते हैं, जिसमें एक संवेदनशील,

रील नहीं रियल एक्टिविटीज को दें टाइम फील करेंगे हैप्पीनेस-मिलेगा सुकून

हम में से अधिकतर लोग जरा भी फ्री टाइम मिलने पर सोशल मीडिया पर रील स्कॉल करने लगते हैं। इससे कई फिजिकल और मेंटल प्रॉब्लम्स होने लगती हैं। इसके बजाय अगर हम कुछ इंस्टेंटिंग फिजिकल एक्टिविटीज करें तो न केवल फिजिकली-मेंटली हेल्दी रहेंगे, खुशी महसूस करेंगे, साथ ही लाइफ में सुकून का भी अनुभव करेंगे। इन एक्टिविटीज के बारे में जानिए।

किसी जजमेंट के सुनते हैं। सुकून देगी संगीत की धुन: अपनी पसंद का कोई इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक जैसे बांसुरी या सितार की धुन सुनिए। उस धुन के उतार-चढ़ाव को महसूस कीजिए। जब धुन ऊंची हो, तो अपनी खुशी जाहिर कीजिए, जब धीमी हो, तो उदासी। हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, संगीत केवल सुनने की चीज नहीं है, यह दिमाग के न्यूरोन्स के साथ संवाद करता है। एक सर्वे में पाया गया कि जो लोग इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक सुनते हुए अपनी भावनाओं को उस धुन के साथ बहने देते हैं, उनका ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और मन की उलझनें स्वतः सुलझने लगती हैं।

रात के आसमान में निहारें चांद-सितारे: रात के समय छत, आंगन या बालकनी में खाट बिछाकर लेट जाइए। आसमान के तारों या चांद को देखकर अपनी छिपी हुई इच्छाएं या वो बातें कह डालिए, जो आप किसी इंसान से नहीं कह सकते। खगोल-मनोविज्ञान के विशेषज्ञों के अनुसार, जब इंसान ब्रह्मांड की विशालता को देखता है और उससे मानसिक संवाद करता है, तो उसके भीतर 'ऑ' (विस्मय) की भावना पैदा होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के एक सर्वे के मुताबिक, इस 'ऑ' इफेक्ट से इंसान की अपनी परेशानियां बहुत छोटी लगने लगती हैं। यह कॉस्मिक संवाद आपके अहंकार को शांत करता है और मन को असीम सुकून देता है।

डायरी के कोरे पन्ने: अपनी डायरी को एक जीवित दोस्त मानिए। पेन उठाइए और पन्नों से कहिए, 'आज मेरा दिन बहुत अजीब रहा, सुनो।' और लिखना शुरू कर दीजिए। एक्सप्रेसिव राइटिंग के जनक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के एक शोध के अनुसार, जब हम कागज और कलम के माध्यम से संवाद करते हैं, तो यह हमारे मस्तिष्क के 'अमिगडाला' (डर और तनाव का केंद्र) को शांत करता है। सच बताते हैं कि जो लोग रात को सोने से पहले डायरी से 'बात' करते हैं, उनकी नींद की गुणवत्ता में 35 प्रतिशत का सुधार होता है। कागज कभी आपकी बात काटता नहीं, बस सब समेट लेता है।

देखें अपने बचपन की तस्वीर

जब टाइम मिले, अपने बचपन और किशोरावस्था की तस्वीरों को सामने रखिए। उनसे वैसे ही बात कीजिए जैसे आप किसी मासूम बच्चे से करते हैं। उनसे पूछिए, 'क्या मैं वैसा ही बना जैसा बनना चाहता था?' अमेरिकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के कई शोध बताते हैं कि 'इनर चाइल्ड होलिंग' मानसिक तनाव को कम करने का सबसे अचूक तरीका है। एक सर्वे के अनुसार, जब लोग अपने बचपन की तस्वीर को देखकर खुद से सकारात्मक बातें करते हैं, तो उनके शरीर में कॉर्टिसोल (स्ट्रेस हार्मोन) का स्तर 22 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यह संवाद आपको अपनी जड़ों से जोड़ता है और वर्तमान की असफलताओं के बोझ को हटका करता है।

बेजुबानों से करें बात

अपने पालतू या गली में भटकने वाले किसी आकार कुत्ते या बिल्ली की आंखों में देखकर बस दो मिनट अपने मन की बात कीजिए। 'ट्युमन-एनिमल बॉन्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के एक वैश्विक सर्वे के अनुसार, बेजुबान जानवरों से बात करने या उन्हें सहलाने से मानव शरीर में ऑक्सीटोसिन (लव हार्मोन) और डोपामाइन का साव तेजी से बढ़ता है। 84 प्रतिशत पेट और स्ट्रीट एनिमल फौंडर्स ने माना कि इन बेजुबानों से दो मिनट की बातें उनके पूरे दिन के वर्क-स्ट्रेस को घुटकियां में गायब कर देती हैं। उनकी मूक प्रतिक्रिया में जो विश्रुतता होती है, वही हमें सुकून प्रदान करता है।



खुद से भी कीजिए बातें: आईने के सामने खड़े हो जाइए। अपनी ही आंखों में आंखें डालिए और खुद का हाल-चाल पूछिए, 'तुम कैसे हो? थक गए हो क्या?' 'मिरर मेंडेटेशन' पर कोलंबिया यूनिवर्सिटी द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि खुद को आईने में देखकर बात करने से आत्म-करुणा बढ़ती है। सर्वे में शामिल 65 प्रतिशत युवाओं ने माना कि जब वे आईने में खुद को सांत्वना देते हैं या अपनी तारीफ करते हैं, तो उनका सोशल एंजाइटी का स्तर काफी हद तक घट जाता है। दुनिया को सुनने वाले कान, कभी खुद की आवाज भी सुनना चाहते हैं।

बारिश की बूंदों से मिलाएं लय: जब बारिश हो रही हो या आप किसी नदी के किनारे हों, तो पानी की गिरती बूंदों की लय से अपनी सांसों को लें। जोड़िए और इनका आनंद लीजिए। मैरीन बायोलॉजिस्ट वॉलेस जे. निकोल्स ने अपनी किताब 'ब्लू माइंड' में साबित किया है कि पानी के पास रहने और उसके संगीत से संवाद करने से हमारा दिमाग एक ध्यानपूर्ण अवस्था में चला जाता है। एक अन्य मनोवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, प्रकृति के जल-स्रोतों की आवाज सुनने और उनसे मानसिक रूप से जुड़ने से एंजाइटी अटेक्स में 40 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है।

कहने का सार यही है कि जब भी कुछ पल फुर्सत के मिलें तो उसे सोशल मीडिया की रील्स को स्कॉल करने में न गंवाकर ऐसी एक्टिविटीज करिए, जिससे आप खुद को अपने करीब महसूस कर सकें। यही नहीं इससे आपको खुशी मिलेगी और आपको एक अलग तरह का सुकून भी मिलेगा। *



मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

टेक्नोलाइफ

अजू जैन

इस बात में कोई दो राय नहीं कि गैजेट्स ने निश्चित रूप से हमारी दुनिया को आसान और सुलभ बनाया है, लेकिन इसकी कीमत हमें अपनी मानसिक और शारीरिक सेहत से चुकानी पड़ रही है। आज हम किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए अपनी बुद्धि पर जोर नहीं देते। एक साधारण क्लिक से दुनिया भर की जानकारी हमारे सामने आ जाती है। विज्ञान इस स्थिति को 'डिजिटल एमनेशिया' या 'गूगल इफेक्ट' कहता है। यदि हम समय रहते सचेत नहीं हुए और अपने दिमाग

को गुलाम बन जाएंगी। क्या है गूगल इफेक्ट: डिजिटल एमनेशिया या गूगल इफेक्ट एक मनोवैज्ञानिक स्थिति है, जहां लोग जानकारी को इसलिए भूल जाते हैं क्योंकि उन्हें पता होता है कि इसे ऑनलाइन आसानी से खोजा जा सकता है। हम तथ्यों को याद रखने के बजाय अब केवल यह याद रखते हैं कि उन तथ्यों को खोजना कहाँ है। मस्तिष्क एक मांसपेशी की तरह है। यदि इसका उपयोग नहीं किया जाएगा, तो यह कमजोर होने लगता है। इससे हमारी जैविक स्मृति धीरे-धीरे सुस्त होने लगती है।

स्मार्टफोन बना एक्सटर्नल ड्राइव: प्राचीन काल में लोग लंबी कविताएं, धार्मिक ग्रंथ और ऐतिहासिक घटनाएं जुबानी याद रखते थे। कुछ दशक पहले तक लोगों को अपने करीबियों के दर्जनों फोन नंबर और पते याद होते थे। आज स्थिति यह है कि लोगों को अपने परिवार के सदस्यों के नंबर भी याद नहीं रहते। स्मार्टफोन अब हमारी यादशत के लिए एक

निश्चित ही डिजिटल गैजेट्स ने हमारी डेली लाइफ को बहुत ईजी बना दिया है। लेकिन इसका ओवरयूज हमारी मेमोरी और इंटेलिजेंस पावर पर बुरा असर भी डाल रही है। इस बारे में जानने के साथ ही हमें इससे बचने के उपायों पर भी अमल करना जरूरी है।

मेमोरी और इंटेलिजेंस पर बुरा असर डाल रहे गैजेट्स

'एक्सटर्नल हार्ड ड्राइव' बन गए हैं। हम अपनी रोजमर्रा की नियुक्तियों, जन्मदिनों, बिलों के भुगतान की तारीखों और यहां तक कि साधारण गणनाओं के लिए भी रिमाइंडर्स और एप्स पर निर्भर हैं। **मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में बदलाव:** मानव मस्तिष्क में 'न्यूरोप्लास्टिसिटी' का गुण होता है, जिसका अर्थ है कि यह अनुभवों और आदतों के अनुसार खुद को ढाल लेता है। जब हम लगातार गैजेट्स का उपयोग करते हैं, तो मस्तिष्क की सूचनाओं को सहेजने वाली न्यूरोन कोशिकाएं कमजोर होने लगती हैं। इसके परिणामस्वरूप, मस्तिष्क सूचनाओं को शॉर्ट-टर्म मेमोरी से लॉन्ग टर्म मेमोरी में स्थानांतरित करना बंद कर देता है।

जी. पी. एस. पर बढ़ती निर्भरता: पहले लोग रास्तों को याद रखने के लिए लैंडमार्क्स, दिशाओं और अपनी स्थानिक समझ का उपयोग करते थे। इससे मस्तिष्क का 'हिप्पोकैपस' हिस्सा सक्रिय रहता था, जो यादशत और दिशा-ज्ञान के लिए जिम्मेदार है। आज जी. पी. एस. और गूगल

मैप्स ने इस क्षमता को पूरी तरह से हाईजेक कर लिया है। बिना सोचे-समझे स्क्रीन पर दिखाई देने वाले तीरों का पालन करने से हमारी खुद की रास्तों को याद रखने की क्षमता खत्म हो रही है।

बच्चों के मानसिक विकास पर प्रभाव: मेमोरी पावर में कमी की यह समस्या वयस्कों से कहीं ज्यादा नई पीढ़ी या बच्चों को प्रभावित कर रही है। जो बच्चे गैजेट्स के साथ बड़े हो रहे हैं, वे स्पेलिंग, पहाड़े और बुनियादी गणनाओं के लिए भी स्क्रीन पर निर्भर हैं। शारीरिक खेलों और किताबों से दूरी के कारण उनकी कल्पनाशीलता और याद रखने की क्षमता का विकास नहीं हो पा रहा है। *

(मनोचिकित्सक डॉ. संजय गर्ग से बातचीत पर आधारित)

गैजेट्स के इस्तेमाल में संतुलन की आवश्यकता

गैजेट्स आधुनिक जीवन का अनिवार्य हिस्सा हैं और उन्हें पूरी तरह छोड़ना संभव नहीं है। समाधान इस बात में है कि हम तकनीक का उपयोग अपनी यादशत को बढ़ाने के लिए करें, न कि उसे बदलने के लिए। हमें जागरूक होकर कुछ कदम उठाने होंगे।

- ▶ फोन नंबर, कैलेंडर की तारीखें और महत्वपूर्ण पते जुबानी याद रखने का प्रयास करें।
- ▶ सप्ताह में कम से कम एक दिन या दिन के कुछ घंटे गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहें।
- ▶ स्कॉल के बजाय कागजी किताबें पढ़ने की आदत डालें, जिससे एकाग्रता बढ़ती है।
- ▶ किसी भी पल को कैप्चर में कैद करने से पहले अपनी आंखों और अनुभव के जरिए दिमाग में दर्ज करें।

सीनियर घोटालेबाज से नवोदित भ्रष्टाचारी की मुलाकात

नवोदित भ्रष्टाचारी जिस घाट से फ्रेश होकर आ रहा था, वरिष्ठ घोटालेबाज उसी जानिब उदास था। नवोदित भ्रष्टाचारी के जलवों की धूम के चलते कुंठित भी था। इसीलिए वह कदाचित डूब मरने जा रहा होगा। लोकतंत्र के राजपथ पर दोनों आमने-सामने आ गए। नवोदित भ्रष्टाचारी बेशर्मीपूर्वक शरमाता हुआ कन्नी काट कर आगे बढ़ गया।

दामन पाक-साफ है किंतु सभी को ज्ञात था कि वह अंदर से मटमैला था। वह भ्रष्टाचार के सरोवर में डुबकी लगाने की लत से मजबूर था। जिस तरह पानी अपनी ढाल की तरफ बहता है और पैसा पैसे को खींचता है, उसी तरह एक भ्रष्टाचारी भी निर्वेख होकर अपने नहाने के लिए समुचित घाट की तलाश स्वयमेव कर लिया करता है। उसने भी यह तलाश

पूरी कर ली थी। एक रोज वह भ्रष्टाचार के सरोवर के प्रदूषण घाट से डुबकी मारकर वापस लौट रहा था। तभी राह में उसको एक सीनियर भ्रष्टाचारी मिल गया। वह सीनियर एक वरिष्ठ घोटालेबाज के नाम से कुख्यात था। वह जमीन से जुड़ा हुआ था, इसके चलते जीवन में महत्वाकांक्षाओं की स्वनिर्धारित सीमा से कभी भी



साहित्य के प्रति समर्पित, जिंदादिल-गरिमापूर्ण व्यक्तित्व झलकता है। वे लिखते हैं, 'वो एक व्यक्ति नहीं प्रवाह का नाम है। ...ओम निश्चल में एक इनबिल्ट डिस्प्रिजिन है। वो जो भी काम करते हैं, संपूर्णता और एकाग्रता के साथ करते हैं।' डॉ. हरेराम पाठक ओम निश्चल की गजलों को समय से काफी आगे मानते हैं, वे लिखते हैं, 'गजल में लाक्षणिक प्रयोग और व्यंग्यार्थ का अचूक प्रयोग होते देखकर सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि ओम निश्चल की गजलों समसामयिकता के दायरे से बहुत आगे निकल चुकी हैं।' डॉ. भावना शेखर, ओम निश्चल के काव्य संग्रह 'मेरा दुख सिरहाने रख दो' की चर्चा करते हुए लिखती हैं, 'किताब से गुजरते हुए गजल और गीतिका की गंगा-जमुनी धार में डूबते-उतरते पाठक को दुष्यंत कुमार से लेकर अदम गोंडवी तक कितने ही गजलकारों की शायरी का आस्वाद मिलता है।' संपादक विज्ञान भूषण के लेख 'गजलगोई का नया मुहावरा गद्दती गजलें' में ओम निश्चल की गजलों के सौंदर्य, संवेदना, सामाजिक सरोकार, भाषिक प्रयोग, शिल्प तथा वैचारिक गहराई का सूक्ष्म, बहुआयामी एवं सम्यक विश्लेषण है। *

पुस्तक: गजलगोई : ओम निश्चल (आलोचना), संपादक: विज्ञान भूषण, मूल्य: 449 रुपए, प्रकाशक: सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

लघुकथा / तनुजा चौबे

उपेक्षा से प्रेरणा



समय मिले रिजेक्शन ने ही मुझे अपनी राह चुनने और अपनी योग्यता को साबित करने का साहस दिया था।' यह सुनकर पुराने मालिक के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। *

अभय ने नौकरी छोड़कर अपना स्टार्टअप शुरू कर दिया। उसने पूरी लगन से काम किया। वर्षों की मेहनत रंग लाई और एक दिन उसके स्टार्टअप को प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। पुरस्कार देने वही पुराने मालिक आए। पुरस्कार देते हुए उन्होंने अभय से कहा, 'आज तुम जिस मुकाम पर हो, तुम्हारी योग्यता ने ही तुम्हें यहां तक पहुंचाया है।' अभय मुस्कुराया, 'सर, आपकी बात ने आज मुझे वर्षों पीछे पहुंचा दिया। शायद उस

खबर संक्षेप

बिजली कंपनी के कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ को पहल पर प्रबंधन ने वर्ष 2004 के बाद नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। महामंत्री नवतरन बरेठ ने बताया कि बिजली कंपनियों में वर्ष 2004 के बाद से कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने के संबंध में बिजली कंपनी द्वारा वर्तमान प्रदेश सरकार से सहमति प्रदान करने हेतु आवेदन किया गया है। इस संबंध में फाइल चेयरमैन स्तर से प्रदेश सरकार के समक्ष पहुंच चुकी है। प्रदेश सरकार की सहमति प्राप्त होने के पश्चात बिजली कंपनी प्रबंधन शीघ्र ही आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर पात्र अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की दिशा में ठोस निर्णय लेगा।

शिक्षक दिवस पर छात्राओं ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

बैकुण्ठपुर। शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. रंजना नीलिमा कच्छप ने की। प्राचार्य डॉ. रंजना नीलिमा कच्छप ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के भविष्य का निर्माण करने वाला मार्गदर्शक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक का निर्माण करना भी है। वरिष्ठ प्राध्यापक भारत सिंह ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है। हिंदी विभागाध्यक्ष कनकलता पैकरा ने भाषा एवं साहित्य को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण बताया। वनस्पति विज्ञान के सहायक प्राध्यापक वरुण कुशवाहा ने प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को आवश्यकता पर बल दिया। विनय कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में शिक्षक की भूमिका बताई। अर्थशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. पवन कुमार उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा विद्यार्थियों को आर्थिक रूप से जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है। समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष विककी राम एवं विजय कुमार ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण साधन बताया। हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. ज्ञान चन्द्र पाल ने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा देने का कार्य करता है। अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक सुमित मिश्रा ने बलुले वैश्विक परिवेश में ज्ञान के साथ संप्रेषण-कौशल के विकास पर जोर दिया। कॉमर्स विभाग के सहायक प्राध्यापक मोहम्मद अमजद ने शिक्षा के माध्यम से व्यावसायिक दक्षता एवं आत्मनिर्भरता विकसित करने की बात कही।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मनाई गई जन्माष्टमी

बलरामपुर। नगर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में जन्माष्टमी मनाई गई। इस मौके पर प्राथमिक और छोटे बच्चों के लिए कृष्ण का भेष बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के व्यवस्थापक बंशीधर गुप्ता, अध्यक्ष गोपाल कृष्ण मिश्रा, सदस्य छोटेलाल गुप्ता, प्राचार्य शंभु नाथ मिश्रा, प्रधानाचार्य विनय कुमार पाठक ने दीप जलाकर और सरस्वती - श्रीकृष्ण की वंदना कर की। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। बच्चे भगवान श्रीकृष्ण, राधा रानी, सुदामा और यशोदा भैया के रूप में सजकर स्कूल पहुंचे। माखन की मटकी, बांसुरी, मीर पंख और पीले कपड़ों



में सजे बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से माता-पिता और शिक्षकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के व्यवस्थापक वंशीधर गुप्ता ने कहा कि भगवान

श्रीकृष्ण का जीवन बच्चों को प्यार, धर्म और बिना फल की चिंता किए काम करने की सीख देता है। ऐसे आयोजन बच्चों को संस्कृति से जुड़ी बातों के साथ नई चीजें सोचने और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करते हैं।

महूली में धूमधाम से मनाई गई कृष्ण जन्माष्टमी, मटकी फोड़ में कोल्हूआ टीम प्रथम

बिहारपुर। चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत महूली में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता हाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में गांवों से पहुंची चार युवा टीमों ने हिस्सा लिया। भगवान श्रीकृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद मटकी फोड़ प्रतियोगिता शुरू हुई। मटकी फोड़ने के लिए युवा टीमों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ प्रयास किया। प्रतियोगिता में कोल्हूआ की युवा टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम को 2,100 रूपए का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया वहीं महूली की टीम दूसरे स्थान पर 1,100 का पुरस्कार दिया गया।



सरगुजा मार्केट

गुप्त रोग का 100% शर्तिवा ईलाज

गुप्त रोग, नामर्दी, नपुंसकता, शीघ्रपतन, रजन्दोष, धातु गिरना, जनन, जलन, देहप्रपन, सिफलिस गनीरिया सभी प्रकार के गुप्त रोगों की आयुर्वेदिक दवा द्वारा शर्तिवा ईलाज किया जाता है।

लिंग वर्धक यंत्र भी उपलब्ध बिना आपरेशन के

अण्डकोष, बवासीर, भगंदर का गांठीरी के साथ आयुर्वेदिक दवा द्वारा ईलाज 2.5 साल से स्थायी

संपर्क - **विश्वास औषधालय**
बिलासपुर रोड, लक्ष्मीपुर शास.स्कूल के पास
अम्बिकापुर - मोबा. 7898942870
समय - सुबह 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक

डॉ. शिवानी सिंघल
MBBS, MD Pediatrics
देश के श्रेष्ठतम संस्थान PGIMER चंडीगढ़ से प्रशिक्षित लवज्जत रिटायर्ड एवं बाल रोग विशेषज्ञ

♥ बुलाए, खोली हई संक्रमण ♥ टीकाकरण एवं ग्रोथ मॉनिटरिंग ♥ लवज्जत एवं बाल स्वास्थ्य पर विशेष परामर्श ♥ बच्चों की सम्पूर्ण देखभाल विशेष परामर्श

OPD समय: सुबह 10:00 बजे - 2:00 बजे शाम 5:00 बजे - 7:00 बजे

24x7 इमर्जेंसी सेवा उपलब्ध "स्वस्थ बचपन, उज्ज्वल भविष्य"

प्रकाश हॉस्पिटल
जिला अस्पताल रोड, रानी तलाब के सामने, अम्बिकापुर (छ.ग.)
अभिजन प्रजेयन्स हेतु लाईफ कॉल
नो. 9713667433, 9617247433

आप परेशान क्यों हैं ?
वारसी शिफा

आपका कठिनाई अभी-अभी शुरू हुआ होगा

अगर दवा खत्म नहीं करती तो आज ही मिलियन डॉक्टरों का अनुभव प्राप्त कर कई सालों से सेवा देते आ रहे हैं अनेक से औषधों को औसत प्राप्त हुई किसी भी साथ का दवा अरु भूल-भेत, पति-पत्नी के झगड़े, मोहब्बत, दिमागी परेशानी, कसौदार में बरकत के लिए, गर्भ न बढ़ना, नामर्दीगी, कठिनाई एवं जल्दी-चुप्टी द्वारा

योगीरियों से छुटकारा पाने के लिए मिलिए

परापूर्व शुरुक 5000

मिनि रस सम्यक - दोपहर 2 बजे से रात्रि 8 बजे तक

पता - वारसी जमिनी, नवमाला जवेल हार्, रावटेर अदुल इमरी चौक वाटसी लवज्जत रिटायर्ड रोग अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)

मो. 9753266386

भास्कर आई केयर
कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नहीं होता!

डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेकरी सार्जन एवं रूग्णकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COMBATOR

प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार
लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST

निरंकारी सत्संग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, ईदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में

फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777

DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery

मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं

आयुष्यान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

श्री राम सेना बनी मटकी फोड़ प्रतियोगिता की विजेता

बलरामपुर जिले की विश्राम नगर की टीम श्री राम सेना इस वर्ष मटकी फोड़ प्रतियोगिता की विजेता रही। इस वर्ष प्रतियोगिता में 5 टीमों ने हिस्सा लिया जिनमें विजेता टीम के साथ ग्राम डिगमा की गणपति मटकी फोड़ समिति, अम्बिकापुर के रितिक शर्मा की टीम, कनकपुर समिति, और बलरामपुर मटकी फोड़ समिति प्रमुख थीं। हालांकि अंत में विश्रामनगर बलरामपुर की टीम ने इस प्रतियोगिता को जीता। इस वर्ष प्रतियोगिता की इनामी राशि 41000 रूपए रखी गई थी, विगत वर्ष यह राशि 21000 रूपए थी।

महिलाओं और बच्चों के लिए हुई कई प्रतियोगिता

महिलाओं के लिये कुर्सी दौड़, मटकी रेस युवाओं के लिये रस्सी खिंच, बच्चों के लिए फैसी ड्रेस, कुर्सी दौड़, बोरी दौड़ जैसे प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और विजेताओं को पुरस्कार बांटा गया। मुख्य प्रतियोगिता के साथ ही इन प्रतियोगिताओं के आयोजन की वजह से आयोजन स्थल पर भारी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

द्वयों से उनका अभिषेक किया गया। इस बीच राधा वल्लभ मंदिर परिसर में सरगुजा राज परिवार द्वारा मटकी फोड़ थी। श्रद्धालुओं ने व्रत रखने के साथ ही घरों में लड्डू गोपाल का पालना सजाया था। इसके साथ ही शहर में भी जगह जगह मटकी फोड़ प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी। इसके साथ ही शहर के प्राचीन राधा वल्लभ मन्दिर में विशेष साज सजा की गई थी जहां सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था। देर रात श्री कृष्ण का जन्म होते ही विशेष

बलरामपुर की टीम श्री राम सेना रही। इस आयोजन के दौरान सरगुजा राजपरिवार के मुखिया पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव एव राजपरिवार के युवराज आदित्येश्वर शरण सिंहदेव मौजूद रहे और उन्होंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को इनाम भी बांटा। पैलेस परिसर स्थित श्री राधावल्लभ मंदिर में दर्शन उपरांत इस कार्यक्रम में शामिल हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य प्रभु श्री

नगर में धूमधाम से निकली श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की डोल, गोविंदा की टोली की धूम

प्रतापपुर। स्थानीय प्राचीन ठाकुरबाड़ी मंदिर से भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर भव्य डोल निकाली गई। धार्मिक उत्साह और उल्लास से सराबोर नगर में निकली डोल का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने स्वागत किया। इस दौरान गोविंदा की टोली ने नगर के प्रमुख चौक-

■ राजघराना चौक, कॉलेज चौक और कदम्पारा में भव्य मटकी फोड़ आयोजन

चौराहों पर मटकी फोड़ का वृद्ध आयोजन कर पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। डोल यात्रा के दौरान राजघराना चौक, कॉलेज



कदम्पारा चौक सहित नगर के विभिन्न स्थानों पर मटकी फोड़ कार्यक्रम आयोजित किया गया। भगवान श्रीकृष्ण के विधिवत पूजन-अर्चन के बाद गोविंदा की टोली ने उत्साह के साथ मटकी फोड़कर श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की खुशियां मनाई। मटकी फोड़ कार्यक्रम देखने के लिए बड़ी संख्या में नगरवासी और श्रद्धालु विभिन्न चौक-चौराहों पर जुटे रहे। गोविंदा की टोली के सदस्यों ने जोश और उमंग के साथ मटकी फोड़कर जमकर उत्सव मनाया। इस दौरान जय श्रीकृष्ण और गोविंदा आला रे के जयघोष से पूरा नगर गुंज उठा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को लेकर नगर में सुबह से ही उत्साह का माहौल रहा। डोल यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने भक्ति और उल्लास के साथ भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण किया। कार्यक्रम में नगर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भक्त, युवा और नगरवासी शामिल हुए। देर तक चले आयोजन के दौरान पूरा प्रतापपुर श्रीकृष्ण भक्ति और उत्सव के रंग में रंगा नजर आया।

सीतापुर में आयोजित हुई मटकी फोड़ प्रतियोगिता

सीतापुर। कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में चोरकी धाम सेवा समिति द्वारा लालबहादूर शास्त्री स्टेडियम भव्य मटकी फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सरगुजा समेत रायगढ़ जशपुर एवं एमसीबी जिले से गोविंदाओं की कुल 16 टीमों ने शामिल हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक रामकुमार टोप्पो ने श्रीकृष्ण की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने श्रीकृष्ण के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीकृष्ण एक महान रणनीतिकार और राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने हमेशा धर्म की स्थापना और अधर्म का नाश करने के लिए कार्य किया। इस मटकी फोड़ प्रतियोगिता में एमसीबी जशपुर रायगढ़ समेत सरगुजा जिले से गोविंदाओं की कुल 16 टीमों ने भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में विजेता टीम को 51 हजार रूपए, उपविजेता को 25 हजार एवं तीसरा स्थान हासिल करने वाली टीम के लिए 15 हजार रूपए का था। तीस फिट ऊंची मटकी फोड़ प्रतियोगिता में गोविंदाओं की सभी टीमों के लिए 5-5 मिनट का समय निर्धारित किया गया था। सभी टीमों के गोविंदाओं ने निर्धारित अवधि में मटकी फोड़ने को काफी कोशिश की लेकिन मटकी फोड़ना तो दूर वो मटकी छू तक नहीं पाए। अंत में जशपुर जिले के गोविंदाओं की टीम साँसके चंदपुर ने दई मिनट में मटकी तोड़ते हुए इस प्रतियोगिता पर अपना कब्जा जमाया। विजेता टीम को मुख्य अतिथि विधायक रामकुमार टोप्पो ने 51 हजार रूपए नगद एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इसके अलावा मटकी फोड़ने के करीब पहुंचकर मटकी फोड़ने में असफल रही गोविंदाओं की टीम को कान्हा फ्यूल्स के संचालक राधेश्याम अंगवाल टॉटू ने सात्वना पुरस्कार के रूप में अपनी तरफ से 51 सौ रूपए, उपविजेता को 25 हजार एवं तीसरा स्थान हासिल करने वाली महिला टीम को विधायक रामकुमार टोप्पो ने अपनी तरफ से 51 सौ रूपए का सात्वना पुरस्कार प्रदान किया। प्रतियोगिता के अंत में गोविंदाओं की सभी 16 टीमों को विधायक द्वारा इस प्रदान किया गया कार्यक्रम का संचालन राजकुमार गुप्ता एवं शैलेश सिंह ने किया।



गौरीशंकर मंदिर प्रांगण में मटकी फोड़, प्रतियोगिता कुंजनगर की टीम ने जीती

बिहारपुर। नगर के श्री गौरीशंकर मंदिर समिति द्वारा मंदिर परिसर में जन्माष्टमी के अवसर पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं दही हांडी मटका फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के कारण कृष्ण भक्तों का प्रातःकाल से ही दर्शन, पूजा अर्चना, भोग चढ़ाने हेतु तांता लगा रहा जहां पर रात्रि 8 बजे से मटकी फोड़ कार्यक्रम किया गया।मटकी फोड़ प्रतियोगिता में क्षेत्र की कुल 7 टीमों ने हिस्सा लिया,परिसर में उत्साहित दर्शकों के बीच कुंजनगर इलेवन की टीम ने काफी संघर्ष एवं मशक्कत के बाद दही हांडी फोड़ने में कामयाबी हासिल की।जिनके सदस्यों को उपस्थित अतिथियों ने ट्रॉफी एवं 51 सौ रूपए नगद राशि प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में स्वागत उद्घोषण मंदिर समिति के अध्यक्ष महेश गुप्ता ने दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेमनगर विधायक भुलान सिंह मौजूद रहे,अन्य विशिष्ट अतिथियों में राजेश यादव,आशीष यादव,दीपेन्द्र चौहान, कुपतल सिंह, आनंद मिश्रा,राजेश सिंह, सरोज सिन्हा, पंकज गर्ग, संजल मित्रा, रामाशीष पाल, अरविंद सिंह, सुरेश पटेल, कैलाश सिरदार, संजीत यादव, अमरेश सिंह, रविशंकर बरुवा व अन्य पार्श्व उपस्थित रहे। मटकी फोड़ प्रतियोगिता प्रारंभ करने के पूर्व मंदिर समिति के अध्यक्ष महेश गुप्ता एवं सचिव शिवाकांत मिश्रा ने सभी अतिथियों का अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया,संव संचालन सीमांचल त्रिपाठी एवं आभार मंदिर समिति के सचिव शिवाकांत मिश्रा ने किया।



कृष्ण के प्रति राजपरिवारिक की भक्ति परंपरा को बदलते समय के साथ नये प्रतिमानों से जोड़ने का है। उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों इस आयोजन को और व्यापक करने का प्रयास

रहेगा। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, अजय अग्रवाल, डॉ. अजय तिकी, जेपी श्रीवास्तव, शफी अहमद, द्विते मिश्रा, विनय शर्मा, संजय विश्वकर्मा, हेमंत तिवारी आदि वरिष्ठ

नगरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में शुभम जायसवाल के साथ ही चंद्र प्रकाश सिंह, दिनेश शर्मा आतिश शुक्ला, अमित तिवारी राजा, शिवांशु गुप्ता आदि शामिल रहे।

TOP IN SURGUJA

PUSHPENDRA COLLEGE OF PHARMACY AMBIKAPUR

ADMISSION OPEN LIMITED SEAT **ACADEMIC SESSION 2026-27**

COURSES

D.Pharmacy 2 years (science & math +PPHT)	B.Pharmacy 4 years (science & math +PPHT)	D.Pharmacy 3 years (Lateral Entry D.Pharmacy)
--	--	--

फार्मसी में अपनी भविष्य उज्जवल बनाने अभी कोल करें

पंजीयन (Registration)
मेरिट लिस्ट जारी
दावा आपत्ति
आबंटन/रिजल्ट
प्रवेश

फार्मसी काउंसलिंग के प्रथम चरण हेतु तिथियां
01 सितंबर से 05 सितंबर तक
06 सितंबर 2026
07 सितंबर 2026
08 सितंबर 2026
09 सितंबर 2026 से 11 सितंबर 2026 तक

Add: Lalmati Lundra, Ambikapur Dist- Surajpur (C.G.) **9407634704, 7509172393**

गायत्री हॉस्पिटल
MULTISPECIALITY HOSPITAL CREATING HEALTHY TOMORROW
बनारस रोड, पी.जी. कॉलेज नैदान के सामने, अम्बिकापुर (छ.ग.)
19424250281 | 8120906000 | 8120809000 |

अब महिलाओं की हर समस्या का सम्पूर्ण समाधान !

स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ की सम्पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध

DR. SONAL DUBEY
MBBS, MS
GYNASTICS & GYNAECOLOGY
LAPAROSCOPIC SURGEON

समय :-
सुबह 11:00 बजे से शाम 05 बजे तक

INSTITUTE OF PHARMACY RESEARCH CENTRE

ADMISSION OPEN LIMITED SEAT **ACADEMIC SESSION 2026-27**

COURSES

D.Pharmacy 2 years (science & math +PPHT)	B.Pharmacy 4 years (science & math +PPHT)	D.Pharmacy 3 years (Lateral Entry D.Pharmacy)
--	--	--

फार्मसी में अपनी भविष्य उज्जवल बनाने अभी कोल करें

पंजीयन (Registration)
मेरिट लिस्ट जारी
दावा आपत्ति
आबंटन/रिजल्ट
प्रवेश

फार्मसी काउंसलिंग के प्रथम चरण हेतु तिथियां
01 सितंबर से 05 सितंबर तक
06 सितंबर 2026
07 सितंबर 2026
08 सितंबर 2026
09 सितंबर 2026 से 11 सितंबर 2026 तक

Add: Krishnapur Kalua Bharuhamunda Road, Dist- Surajpur (C.G.) **9165265258, 8889110739, 9244175446**

